कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (48) खण्ड - {95}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- पहले तो कौन सा निश्चय बिठाना है ?

A- आप आत्मा भाई-भाई हैं।

B- हम आत्माओं का वह बाप है, सभी ब्रदर्स हैं।

C- हम आत्मा हैं, परमात्मा नहीं हैं।

D- हम आत्मा है परमात्मा हमारा पिता है।

प्रश्न 2- सतयुग के कौन से चित्र भी तुम्हारे पास हैं निश्चय कराने के लिए ?

A- श्रीकृष्ण के

B- लक्ष्मी-नारायण के

C- राम सीता के

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 3- आत्मायें सब आती हैं पार्ट बजाने, तो भिन्न-भिन्न नाम धराती हैं। जिस आत्मा का पहला जन्म त्रेतायुग के आदि में होता है उसे अंत तक शरीर के कितने नाम मिलते हैं ?

A- 84

B- 75

C- 76

D- 64

प्रश्न 4- कर्म से मुक्त कहा होते हैं ?

A- सतयुग त्रेता

B- शान्तिधाम

C- सूक्ष्मवतन

D- जहाँ अकर्म होते हैं वहाँ

प्रश्न 5- इन आंखों से जो कुछ दिखाई देता है इसे देखते हुए भी नहीं देखो, इनसे ममत्व निकाल दो क्योंकि -

A- इसे आग लगनी है।

B- नई दुनिया स्थापन हो रही है।

C- मनुष्य का सारा कैरेक्टर विकारों ने बिगाड़ा है।

D- सारी दुनिया का विनाश होना है।

प्रश्न 6- ओम् शान्ति कहने से क्या याद आता है ?

A- अपना स्वधर्म और अपना घर याद पड़ता है

B- सारा ज्ञान बुद्धि में आ जाता है।

C- मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ, शान्ति के सागर बाप का बच्चा हूँ। बुद्धि में आता है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- अनादि हैं ?

A- शिवबाबा

B- आत्मा

C- खेल

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- हम अनेक बार विजयी बने हैं, तो हमारा ही यादगार क्या है ?

A- देलवाड़ा

B- विजय माला

C- स्वर्ग

D- विष्णु की माला

प्रश्न 9- बाप ने कहा है यदा यदाहि.....भारत में ही शिवबाबा की ग्लानि होती है। सबसे बड़ी ग्लानि हुई है ?

A- ईश्वर को सर्वव्यापी कह देते।

B- कच्छ अवतार, मच्छ अवतार.....

C- कह देते नाम-रूप से न्यारा है,

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- किस को पता नहीं रावण हमारा दुश्मन है, जिसको हम वर्ष-वर्ष जलाते हैं ?

A- बड़े साधू,

B- सन्त, महात्मायें,

C- राजायें आदि

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- शिवबाबा बैठ बच्चों को समझाते हैं। अर्थात् क्या बनाने का पुरूषार्थ कराते हैं ?

A- फरिश्ता

B- आत्मा

C- आपसमान

D- देहीभिमानी

प्रश्न 12- किस की मत पर चलते-चलते इस समय कौड़ी मिसल बन गये हैं ?

A- रावण

B- मनमत

C- मनुष्य

D- माया

प्रश्न 13- किस स्मृति में रहो तो देह-अभिमान नहीं आयेगा ?

A- अब वापस घर जाना है।

B- परमात्मा को याद करने से।

C- आत्मा समझने से

D- हम गाँडली सर्वेन्ट हैं।

प्रश्न 14- देवता कैसे बन सकेंगे ?

A- ज्ञान से

B- प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियां ब्राह्मण बनने से

C- योगबल से

D- मनमनाभव के मंत्र से

प्रश्न 15- किस के कारण ही तुम्हारा कैरेक्टर बिगड़ा हुआ है ?

A- क्रोध में आकर भौंकते तो

B- 5 भूतों के कारण

C- पवित्रता के कारण

D- देह अभिमान से

प्रश्न 16- किस में कोई भूल नहीं है ?

A- ड्रामा में

B- ज्ञान में

C- आत्मा में

D- उपरोक्त सभी

भाग (48) खण्ड {95} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *C.हम आत्मा है, परमात्मा नहीं है*

पहले तो यह निश्चय बिठाना है कि हम आत्मा हैं, परमात्मा नहीं हैं। न हमारे में परमात्मा व्यापक है। सभी में आत्मा व्यापक है। आत्मा शरीर के आधार से पार्ट बजाती है। यह पक्का कराओ।

उत्तर 2 - *D. A और B*

नई दुनिया में है ही एक आदि सनातन देवी-देवता धर्म। *चित्र भी तुम्हारे पास हैं निश्चय कराने के लिए। पहले नम्बर में है श्रीकृष्ण, उसके बाद हैं लक्ष्मी-नारायण* - वह है नई दुनिया का मालिक।

उत्तर 3 - *C. 76*

शिवबाबा का नाम सदैव शिव ही है। बाकी आत्मायें सब आती हैं पार्ट बजाने, तो भिन्न-भिन्न नाम धराती हैं। *जिस आत्मा का पहला जन्म त्रेतायुग के आदि में होता है उसे अंत तक शरीर के 76 नाम मिलते हैं।*

उत्तर 4 - *B.शांतिधाम*

गीता में भी है देह सहित देह के सब धर्म छोड़ अपने को आत्मा समझो। वापिस अपने घर जरूर जाना है। भक्ति मार्ग में कितनी मेहनत करते हैं भगवान पास जाने के लिए। वह है इनकारपोरियल दुनिया ,*कर्म से मुक्त हम शान्तिधाम में जाकर बैठते हैं।* पार्टधारी घर गया तो पार्ट से मुक्त हुआ।

उत्तर 5- *A.इसे आग लगनी है*

इन आंखों से जो कुछ दिखाई देता है, इसे देखते हुए भी नहीं देखो, इनसे ममत्व निकाल दो *क्योंकि इसे आग लगनी है।* आत्मा को तो आग लगती नहीं। आत्मा तो जैसे इनश्योर है।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

जब ओम् शान्ति कहा जाता है, तो अपना स्वधर्म और अपना घर याद पड़ता है फिर घर में बैठ तो नहीं जाना है। बाप के बच्चे बने हैं तो जरूर स्वर्ग का वर्सा भी याद पड़ेगा। *ओम् शान्ति कहने से भी सारा ज्ञान बुद्धि में आ जाता है।मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ, शान्ति के सागर बाप का बच्चा हूँ।* जो बाप स्वर्ग की स्थापना करते हैं, वही बाप हमको पवित्र, शान्त-स्वरूप बनाते हैं। मुख्य बात है पवित्रता की।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

पावन हैं तो लक्ष्मी-नारायण नाम है, पतित हैं तो ब्रह्मा नाम है। ब्रह्मा का दिन, ब्रह्मा की रात। उनको (शिवबाबा को) अनादि क्रियेटर कहा जाता है। आत्मायें तो हैं ही हैं। आत्माओं का क्रियेटर नहीं कहेंगे इसलिए अनादि कहा जाता है। *बाप अनादि तो आत्मायें भी अनादि हैं। खेल भी अनादि है।* यह अनादि बना बनाया ड्रामा है।

उत्तर 8- *B.विजय माला*

सदा याद की छत्रछाया के नीचे और मर्यादा की लकीर के अन्दर रहो तो कोई की हिम्मत नहीं अन्दर आने की। मर्यादा की लकीर से बाहर निकलते हो तो माया भी अपना बनाने में होशियार है। लेकिन हम अनेक बार विजयी बने हैं, *विजय माला हमारा ही यादगार है* इस स्मृति से सदा समर्थ रहो तो माया से हार हो नहीं सकती।

उत्तर 9- *A.ईश्वर को सर्वव्यापी कह देते*

शिव का चित्र भी है परन्तु पहचानते नहीं हैं। बड़े-बड़े शिवलिंग आदि बनाते हैं *फिर भी कह देते सर्वव्यापी है इसलिए बाप ने कहा है यदा यदाहि..... भारत में ही शिवबाबा की ग्लानि होती है।* जो बाप तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं, तुम मनुष्य मत पर चल उनकी कितनी ग्लानि करते हो।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

यह तो राज्य ही रावण का है। सबसे बड़ा दुश्मन यह है। हर वर्ष उसकी एफ़ीजी बनाकर जलाते रहते हैं। दिन-प्रतिदिन और ही बड़ा बनाते जाते हैं। दु:ख भी बढ़ जाता है। *इतने बड़े-बड़े साधू, सन्त, महात्मायें, राजायें आदि हैं परन्तु एक को भी यह पता नहीं है कि रावण हमारा दुश्मन है, जिसको हम वर्ष-वर्ष जलाते हैं।* और फिर खुशी मनाते हैं। समझते हैं रावण मरा और हम लंका के मालिक बनें।

उत्तर 11- *C.आपसमान*

शिवबाबा बैठ बच्चों को समझाते हैं अर्थात् आपसमान बनाने का पुरूषार्थ कराते हैं। जैसे मैं ज्ञान का सागर हूँ वैसे बच्चे भी बनें। यह तो मीठे बच्चे जानते हैं सब एक समान नहीं बनेंगे। पुरूषार्थ तो हरेक को अपना-अपना करना होता है। स्कूल में स्टूडेन्ट तो बहुत पढ़ते हैं परन्तु सब एक समान पास विद् ऑनर्स नहीं होते हैं। फिर भी टीचर पुरूषार्थ कराते हैं।

उत्तर 12- *A.रावण*

बच्चे कहते हैं बाबा जैसे आप चलाओ, बाप भी मत इन द्वारा ही देंगे ना। परन्तु इनकी मत भी लेते नहीं, फिर भी पुरानी सड़ी हुई मनुष्य मत पर ही चलते हैं। देखते भी हैं शिवबाबा इस रथ द्वारा मत देते हैं फिर भी अपनी मत पर चलते हैं। जिसको पाई-पैसे की कौड़ी जैसी मत कहें, उस पर चलते हैं। *रावण की मत पर चलते-चलते इस समय कौड़ी मिसल बन गये हैं।* अब राम शिवबाबा मत देते हैं।

उत्तर 13- *D.हम गॉडली सर्वेन्ट हैं*

सदा स्मृति रहे कि हम गॉडली सर्वेन्ट हैं। सर्वेन्ट को कभी भी देह-अभिमान नहीं आ सकता। जितना-जितना योग में रहेंगे उतना देह-अभिमान टूटता जायेगा।

उत्तर 14- *B.प्रजापिता ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियां ब्राह्मण बनने से*

कोई मठ-पंथ वाला देवता बन न सके। *प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियां ब्राह्मण बनने बिगर देवता कैसे बन सकेंगे।* जो कल्प पहले बने हैं वही बनेंगे। टाइम लगता है।

उत्तर 15- *B.5 भूतों के कारण*

देवताओं का कैरेक्टर देखो कैसा है। सम्पूर्ण निर्विकारी ..... बाप कहते हैं काम महाशत्रु हैं। *इन 5 भूतों के कारण ही तुम्हारा कैरेक्टर बिगड़ा हुआ है।* जिस समय समझाते हैं उस समय अच्छा बनते हैं। बाहर जाने से सब कुछ भूल जाता है। तब कहते हैं सौ-सौ करे श्रृंगार.....। यह बाबा गाली नहीं देते, समझाते हैं।

उत्तर 16- *A.ड्रामा में*

इस बने-बनाये ड्रामा को एक्यूरेट समझना है, इसमें कोई भूल हो नहीं सकती। जो एक्ट हुई फिर रिपीट होगी। इस बात को अच्छे दिमाग से समझकर चलो तो कभी गुस्सा नहीं आयेगा।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (48) खण्ड - {96}

प्रश्न 1- शान्ति का गुण सबसे बड़ा गुण है, इसलिए -

A- शान्ति का गुण धारणा करो

B- फिर टीचर भी बनो।

C- ऊं शान्ति बोलो।

D- शान्ति से बोलो, अशान्ति फैलाना बन्द करो।

प्रश्न 2- बाप से भी गुण उठाना है और फिर कौन से चित्रों से भी गुण उठाना है ?

A- त्रिमूर्ति

B- लक्ष्मी-नारायण

C- निराकारी के

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- हर एक से गुण ग्रहण करना ही इसके लिए किस का मिसाल है ?

A- श्रीकृष्ण

B- लक्ष्मी-नारायण

C- दत्तात्रेय

D- शिव बाबा

प्रश्न 4- ब्रह्मा के लौकिक बाप थे -

A- वह टीचर था।

B- बहुत निर्माण, शान्त रहता था।

C- कभी क्रोध में नहीं आता था।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- इस बेहद की पढ़ाई का फल हमको कहाँ पर मिलना है ?

A- संगमयुग

B- नई दुनिया

C- पूरा कल्प

D- बेहद की दुनिया

प्रश्न 6- अलग शब्द पहचानिए ?

A- ईश्वरीय माइट

B- योगबल की माइट

C- जिस्मानी माइट

D- रूहानी माइट

प्रश्न 7- बाप से.....लेकर ..... का ही दान करूं ?

A- ज्ञान

B- अमृत

C- रत्न

D- गुण

प्रश्न 8- माया है ?

A- तीखी है।

B- चूही है।

C- शैतानी है।

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 9- कहाँ अपना टाइम वेस्ट नहीं करना है ?

A- मिथ्या अहंकार में

B- हद के संसार की वाह्यात बातों में

C- लुनपानी अर्थात खारेपन का संस्कार में

D- झरमुई झगमुई में

प्रश्न 10- सिर्फ बातों का पकौड़ा नहीं खाना है अर्थात्-

A- गपोड़े मारना।

B- जो कहते हो वह करना है।

C- आज कहते हैं यह करेंगे, कल मौत आया खत्म हो जायेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- अभी तुम्हारी आत्मा कहाँ बैठी है ?

A- इस झुग्गी (शरीर) में बैठी हुई है।

B- तमोप्रधान दुनिया में ।

C- किचड़े के किनारे पर आकर बैठे हैं ।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- बाप से कौन सा बड़ा दहेज मिलता है ?

A- ज्ञान का

B- 21 जन्म के लिए राजाई होल-सेल में दे देते हैं

C- विश्व की बादशाही

D- शान्तिधाम

प्रश्न 13- बाबा ने तुम्हें कौन सी समझ दी है ?

A- तुम्हें एक बाप से ही सुनना है।

B- तुम ही इस सेवा के निमित्त हो।

C- तुम आत्मायें सब भाई-भाई हो।

D- तुम सब बीके हो।

प्रश्न 14- ओम् शान्ति अक्सर करके क्यों कहा जाता है ?

A- आत्मा का परिचय आत्मा ही देती है।

B- बात-चीत अत्मा ही करती है।

C- शान्ति के लिये।

D- आत्मा का स्वधर्म शान्त है।

प्रश्न 15- आधाकल्प है ?

A- सुख और दु ख का खेल

B- राम और रावण

C- दिन और रात

D- A और C

E- A,B और C

प्रश्न 16- श्री कृष्ण के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

A- उनके दैवीगुणों की कितनी महिमा है।

B- वैकुण्ठ का मालिक कितना मीठा है।

C- श्रीकृष्ण की डिनायस्टी बड़ी है।

D- A और B

E- A,B और C

भाग (48) खण्ड {96} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.शान्ति से बोलो, अशान्ति फैलाना बन्द करो*

शान्ति का गुण सबसे बड़ा गुण है, इसलिए शान्ति से बोलो, अशान्ति फैलाना बन्द करो। बाप ने समझाया है मैं शान्ति का सागर हूँ तो शान्ति यहाँ स्थापन करनी है। अशान्ति खत्म होनी है। अपनी चलन को देखना चाहिए - कहाँ तक हम शान्त में रहते हैं।

उत्तर 2- *B.लक्ष्मी-नारायण*

रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। एक तो तुमको बाप से ज्ञान का वर्सा मिल रहा है। *बाप से भी गुण उठाना है और फिर इन चित्रों से (लक्ष्मी-नारायण से) भी गुण उठाना है।*

उत्तर 3- *C.दत्तात्रेय*

भल आवाज़ सुनते करते हो तो भी खुद शान्त रहना चाहिए क्योंकि बाप और दादा दोनों शान्त रहते हैं। कभी बिगड़ते नहीं हैं। रड़ी नहीं मारते। यह ब्रह्मा भी सीखा है ना। जितना शान्त में रहो, उतना अच्छा है। शान्ति से ही याद कर सकते हैं। अशान्ति वाले याद कर न सकें। *हर एक से गुण ग्रहण करना ही है। दत्तात्रेय आदि के मिसाल भी यहाँ से लगते हैं।* देवताओं जैसे गुणवान तो कोई होते नहीं।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

कई भक्त लोग ज्ञानियों से भी सयाने निर्माणचित होते हैं। *बाबा तो अनुभवी है ना। यह जिस लौकिक बाप का बच्चा था, वह टीचर था, बहुत निर्माण, शान्त रहता था। कभी क्रोध में नहीं आता था।*

उत्तर 5- *B.नई दुनिया*

पढ़ाईयाँ तो अनेक प्रकार की हैं ना। वह तो सब मनुष्य, मनुष्य को पढ़ाते हैं और वह पढ़ाईयाँ इस दुनिया के लिए ही हैं। पढ़कर फिर उनका फल यहाँ ही पायेंगे। *तुम बच्चे जानते हो इस बेहद की पढ़ाई का फल हमको नई दुनिया में मिलना है।* वह नई दुनिया कोई दूर नहीं। अभी संगमयुग है।

उत्तर 6- *C.जिस्मानी माइट*

सभी तो पवित्र नहीं बनेंगे। तुम बहुत थोड़े हो जिनमें ताकत है। तुम्हारे में भी नम्बरवार ताकत अनुसार ही सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी बनते हैं ना। ताकत तो हर बात में चाहिए। *यह है ईश्वरीय माइट, इनको योगबल की माइट कहा जाता है। बाकी सब है जिस्मानी माइट। यह है रूहानी माइट।*

उत्तर 7- *B.अमृत*

मनुष्य अपने हाथ-पांव वाला है ना। बांधा तो नहीं जा सकता। अपने को स्वतंत्र रख सकते हैं। ऐसे क्यों बंधन में फसूँ? *क्यों न बाप से अमृत लेकर अमृत का ही दान करूँ।* मैं कोई रिढ़-बकरी थोड़ेही हूँ जो कोई हमको बांधे।

उत्तर 8- *D.तीखी है चूही है*

माया बड़ी जबरदस्त है। जैसे चूहा काटता है तो मालूम भी नहीं पड़ता है, *माया भी ऐसी मस्त चूही है।* महारथियों को ही खबरदार रहना है। वह खुद समझते नहीं हैं कि हमको माया ने गिरा दिया है। लूनपानी बना दिया है। देह-अभिमान है तब जलते हैं। वह अवस्था तो है नहीं। याद का जौहर भरता नहीं है, इसलिए बहुत खबरदार रहना चाहिए। *माया बड़ी तीखी है, जबकि तुम युद्ध के मैदान पर हो तो माया भी छोड़ती नहीं।*

उत्तर 9- B *.हद के संसार की वाह्यात बातोंमें*

हद के संसार की वाह्यात बातों में अपना टाइम वेस्ट नहीं करना है, बुद्धि में सदा रॉयल ख्यालात चलते रहें।

उत्तर 10- *B.जो कहते हो वह करना है*

बाबा समझाते हैं बच्चे अपना उल्टा नशा मत चढ़ाओ। हरेक अपनी-अपनी क्वालिफिकेशन देखो। हम कैसे पढ़ते हैं, क्या मदद करते हैं, सिर्फ बातों का पकौड़ा नहीं खाना है। *जो कहते हो वह करना है। गपोड़े नहीं कि यह करेंगे, यह करेंगे।* आज कहते हैं यह करेंगे, कल मौत आया खत्म हो जायेंगे।

उत्तर 11- *D.उपरोक्त सभी*

बाप हमारी आत्मा को पवित्र बना देते हैं। आत्मा पवित्र बनने से फिर शरीर भी फर्स्टक्लास मिलता है। अभी तुम्हारी आत्मा कहाँ बैठी है? *इस झुग्गी (शरीर) में बैठी हुई है। तमोप्रधान दुनिया है ना। किचड़े के किनारे पर आकर बैठे

हैं ना।* विचार करो हम कहाँ से निकले हैं। बाप ने गन्दे नाले से निकाला है। अब हमारी आत्मा स्वच्छ बन जायेगी। रहने वाले भी फर्स्टक्लास महल बनायेंगे। हमारी आत्मा को बाप श्रृंगार कर स्वर्ग में ले जा रहे हैं।

उत्तर 12- *C.विश्व की बादशाही*

शादी में कन्या को दहेज गुप्त देते हैं ना। शो करने की दरकार नहीं। कहा जाता है गुप्त दान। शिवबाबा भी गुप्त है ना, इसमें अहंकार की कोई बात नहीं। कोई-कोई को अहंकार रहता है कि सब देखें। यह है सब गुप्त। *बाप तुमको विश्व की बादशाही दहेज में देते हैं।* कितना गुप्त तुम्हारा श्रृंगार हो रहा है। कितना बड़ा दहेज मिलता है।

उत्तर 13- *C.तुम आत्मायें सब भाई-भाई हो*

बाबा ने तुम्हें समझ दी कि तुम आत्मायें सब भाई-भाई हो। तुम्हें एक बाप की याद में रहना है। यही बात तुम सभी को सुनाओ क्योंकि तुम्हें सारे विश्व के भाईयों का कल्याण करना है। तुम ही इस सेवा के निमित्त हो।

उत्तर 14- *A.आत्मा का परिचय आत्मा ही देती है*

ओम् शान्ति अक्सर करके क्यों कहा जाता है? यह है परिचय देना - *आत्मा का परिचय आत्मा ही देती है।* बात-चीत आत्मा ही करती है शरीर द्वारा। आत्मा बिगर तो शरीर कुछ कर नहीं सकता। तो यह आत्मा अपना परिचय देती है। हम आत्मा हैं परमपिता परमात्मा की सन्तान हैं।

उत्तर 15- *E. A,B और C*

आधाकल्प है दिन, आधाकल्प है रात। बाप कहते हैं मैं भी आता हूँ रात को दिन बनाने। तुम जानते हो आधाकल्प है रावण का राज्य, उसमें अनेक प्रकार के दु:ख हैं। *कहा भी जाता है यह सुख और दु:ख का खेल है। सुख माना राम, दु:ख माना रावण।* रावण पर जीत पाते हो तो फिर रामराज्य आता है।

उत्तर 16- D. *A और B*

अभी तुम बच्चों की बुद्धि में है कि बेहद के बाप से हमको वर्सा लेना है। कल्प-कल्प लेते आये हैं इसलिए दैवीगुण भी जरूर धारण करने हैं। *श्रीकृष्ण के दैवीगुणों की कितनी महिमा है। वैकुण्ठ का मालिक कितना मीठा है। अभी श्रीकृष्ण की डिनायस्टी नहीं कहेंगे।* डिनायस्टी विष्णु अथवा लक्ष्मी-नारायण की कहेंगे।